Literacy for a Billion

Movie: 1942 A Love Story
Year: 1994

Song: Kuchh Na Kaho
Lyricist: Javed Akhtar

कुछ ना कहो
कुछ भी ना कहो
कुछ ना कहो
कुछ भी ना कहो
क्या कहना है
क्या सुनना है
मुझको पता है
तुमको पता है
समय का ये पल
थम सा गया है
और इस पल में
कोई नहीं है
बस एक मैं हूँ
बस एक तुम हो
कुछ ना कहो
कुछ भी ना कहो
कितने गहरे हलके
शाम के रंग हैं छलके
पर्वत से यूँ उतरे बादल
जैसे आँचल ढलके

और इस पल में
कोई नहीं है
बस एक मैं हूँ
बस एक तुम हो
कुछ ना कहो
कुछ भी ना कहो
सुलगी-सुलगी साँसें
बहकी बहकी धड़कन
महके महके
शाम के साए
पिघले-पिघले तन-मन
सुलगी-सुलगी साँसें
बहकी-बहकी धड़कन
महके-महके
शाम के साए
पिघले-पिघले तन-मन
और इस पल में
कोई नहीं है
बस एक मैं हूँ
बस एक तुम हो

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.